1283 sale

1166 1000Rs

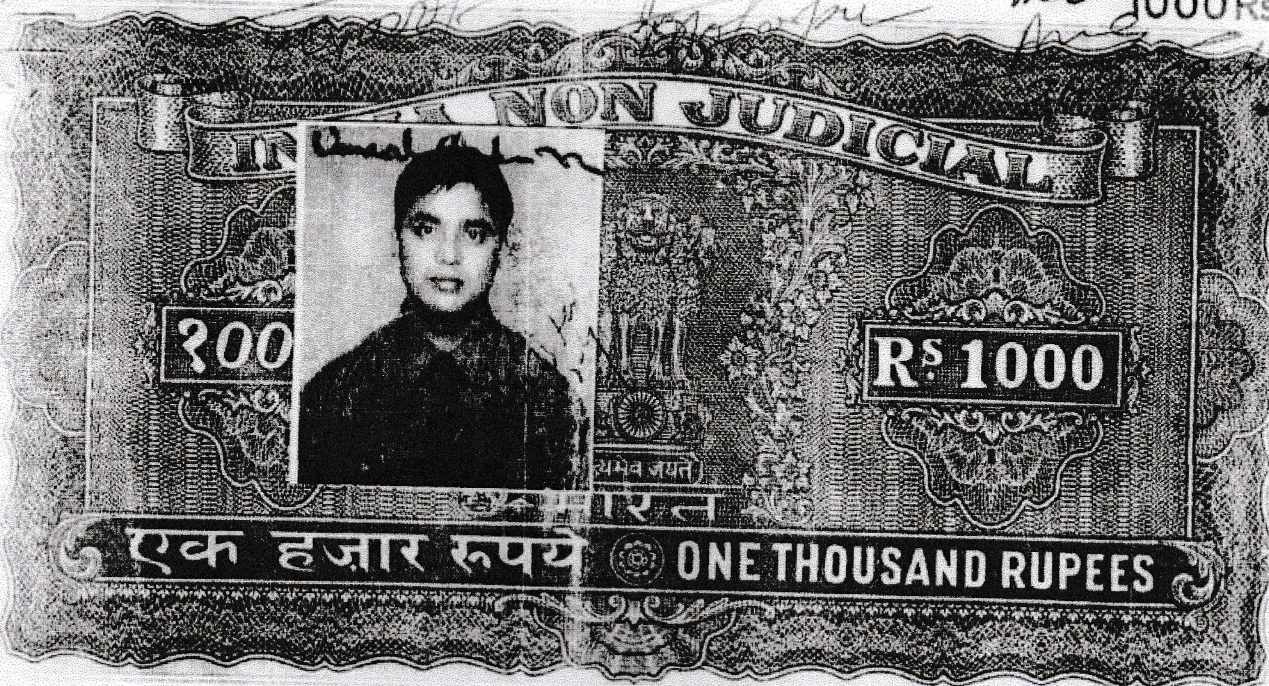


3091 X 25 = 77275/—

3900/-

9-4-08

11-4-08

11/4/08

## विक्रय पत्र कीमत कुल 80,000/— रूपये मात्र

**विक्रेता** :— श्री उमेश चन्द्र झा, पिता श्री रामचन्द्र झा, जाति — ब्राहमण, पेशा — व्यवसाय, साकिन — हिन्दी विद्यापीठ, देवघर, थाना, सबडिविजन, सबरजिस्ट्री व जिला — देवघर (झारखंड)।

**क्रेता** :— श्रीमती सुषमा झा पति श्री उत्तम देव झा, जाति — ब्राह्मण, पेशा — गृहस्वामिनी, साकिन — खड़हारा, थाना — बाराहाट, सबरजिस्ट्री, सबडिविजन व जिला — बाँका (बिहार)।



ATTESTED
NOTARY REGD. No.-225/0
GOVT. OF JHARKHAND

**लेख्य प्रकार** :– विक्रय पत्र

**सम्पत्ति की कीमत** :– कुल 80,000/– रूपये मात्र

**सम्पत्ति का विवरण** :– निम्न तफसील सम्पत्ति में वर्णित हैं।

विदित हो कि मोहनपुर थाना अन्तर्गत मौजा – रामपुर के अन्दर एक्वायर बसौडी सत्व की जमीन सेटलमेंट प्लॉट नं0 – 348, रकवा 73 तिहतर डिसमिल को देवघर अनुमंडल पदाधिकारी अदालत के एल0 ए0 केस नं0 – 36/1964–65 के द्वारा एक्वायर करवाकर व दिनांक – 16/08/1965 ई0 में अदालत द्वारा बसगढ़ी सुरत दखल पाकर राधा देवी पति गंगा प्रसाद साह साकिन – देवघर के निवासी ने निर्विवाद रूप से दखलकारिणी होकर अंचल कार्यालय मोहनपुर के म्युटेशन केस नं0 – 39/73–74 के द्वारा अपने नाम से नामांतरण करवाकर सालाना खजाना आदाय करती हुई, दिनांक – 03/05/1974 ई0 में निबंधन कार्यालय देवघर से निबंधित एक कीता विक्रय पत्र पुस्तक सं0 – 1, जिल्द सं0 – 19, पृष्ठ सं0 – 250 से 253 में निबंधित जिसकी सं0 – 3018 वर्ष 1974 के द्वारा अधुनामृत मूलचन्द्र कारवॉं खरीदकर ताजिन्दगी अपने दखलकार रहे।



ATTESTED
REGD. NO.-
JHARKHAN

254

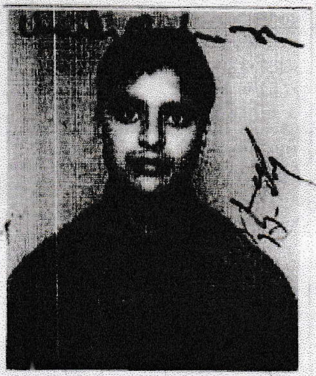

Umesh Chandra

11-4-08

TTESTED
ARY REGD. No.-225/
GOV OF JHARKHAND
Jharkhand (India)

1000Rs.

उपर्युक्त मूलचन्द्र कारवॉं का दिनांक – 07 / 11 / 1975 ई0 में स्वर्गवास कर जाने के बाद उनके अन्यान्य सम्पत्ति के साथ उपरोक्त मौजा – रामपुर स्थित बसौडी जमीन प्लॉट नं0 – 348, रकवा 73 डिसमिल पर दामोदर कारवॉं और उनके दिगर हिस्सेदारान भाई–बहन, माता वगैरह उक्त सम्पत्ति को दामोदर कारवॉं के हक में छोड़ देने पर श्री दामोदर कारवॉं अंचल कार्यालय मोहनपुर के म्युटेशन केस नं0 – 55 / 1976–77 के द्वारा अपने नाम से नामांतरण करवाकर तथा अपने नाम से सालाना खजाना 7.30 रूपया सन् व सन् आदाय करते हुए भोगवान व दखलकार हुए तथा दिनांक – 24 / 04 / 1982 ई0 में निबंधन कार्यालय देवघर से निबंधित एक कीता विक्रय पत्र पुस्तक सं0 – 1, जिल्द सं0 – 15, पृष्ठ सं0 – 345 से 348 में निबंधित जिसकी सं0 – 1635 वर्ष 1982 के द्वारा साधु शरण चौधरी पिता स्व0 बोध नारायण चौधरी, साकिन – झौसागढ़ी, देवघर, के निवासी के पास रकवा 1360



ATTESTED
NOTARY REGD. NO.-225
GOVT. OF JHARKHAND

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100

ONE HUNDRED RUPEES

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

**झारखण्ड JHARKHAND** 027851

दर्गफीट बिक्री कर दिये, तथा पुनः श्री साधु शरण चौधरी से दिनांक – 11/05/1990 ई0 में निबंधन कार्यालय देवघर से निबंधित एक कीता विक्रय पत्र पुस्तक सं0 – 1, जिल्द सं0 – 15/93, पृष्ठ सं0 – 287 से 290 में निबंधित जिसकी सं0 – 1361 वर्ष 1990 के द्वारा श्री दामोदर कारवॉ के पास बिक्री कर दिये, उपर्युक्त सम्पत्ति पर दामोदर कारवॉ ताजिन्दगी निर्विवाद रूप से भोगवान व दखलकार रहते हुए, दिनांक – 04/04/2006 ई0 में निबंधन कार्यालय देवघर से निबंधित एक कीता विक्रय पत्र जिसकी सं0 – 1105 वर्ष 2006 ई0 के द्वारा रकवा 46 छियालिस डिसमिल, तथा उसी दिन यानि दिनांक – 04/04/2006 ई0 में निबंधन कार्यालय देवघर से निबंधित एक कीता विक्रय पत्र जिसकी सं0 – 1106, वर्ष 2006 ई0 के द्वारा रकवा 15 पन्द्रह डिसिमल, मोट रकवा 61 डिसमिल जमीन मुझ बिक्रेता श्री उमेश चन्द्र झा व श्री प्रभात कुमार सिन्हा के पास बिक्री कर देने पर मैं विक्रेता श्री उमेश चन्द्र झा व श्री प्रभात कुमार सिन्हा उक्त खरीदगी सम्पत्ति पर दखल कब्जा लेकर आजतक निर्विवाद रूप से भोगवान व दखलकार हैं।

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100

ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

झारखण्ड JHARKHAND

027848

Umesh Chandra
11-4-08

अभी मुझ विक्रेता को दीगर सांसारिक खर्च के लिए रूपये की सख्त जरूरत है, इसलिए उक्त सम्पत्ति के अन्दर अपना हिस्सा में से रकवा 3091 वर्गफीट जो निम्न तफसील सम्पत्ति में वर्णित है, को बिक्री करने का सोहरत किया।

आप केता इसे अभी के बाजार भाव की दर से अधिकतम कीमत पर खरीद करने की इच्छा जाहिर करने पर उभय पक्षों की मंजुरी से इसकी कीमत कुल 80,000/– रूपये कायम हुए।

अतएव आज तारीख मैं विक्रेता आप केता से कीमत का कुल रूपया लेकर निम्न तफसील में वर्णित सम्पत्ति जो संलग्न नक्शा में लाल रंग से रंगा अंश में दिखाया गया हैं, मय कुल हक हकुक आप केता के पास बिक्री कर दिया और आपके दखल कब्जे में दे दिया।

अब आप केता मुझ विक्रेता के सत्व व दखल से सत्ववती व दखलकारिणी होकर मय अपने पुत्र पौत्रादि वारिसान व स्थलाभिषिक्तगण कम से भोग, दखल, दान, बिक्री, मोरगेज व नाना प्रकार के वारदेन व हस्तान्तरण आदि करने की अधिकारिणी

ATTESTED
NOTARY (REGD. NO.-2251)
GOVT. OF JHARKHAND

होकर स्वेच्छा पूर्वक भोग दखल करते रहे इसमें मुझ विकेता मय वारिसान को किसी भी तरह की उज्र आपत्ति नही होगी न कोई कर सकेगा अगर कोई करे तो वह न्यायालय से निरस्त होगा।

निम्न विक्रीत सम्पत्ति का मैं विकेता ही एकमात्र मालिक हूँ, इसमें दुसरा कोई अंशदार या दखलकार नहीं हैं व इसके पहले निम्न सम्पत्ति को किसी के पास किसी तरह का दाय–संयुक्त या हस्तान्तरण आदि नही किया हूँ। यानि हर तरह से साफ व पाक है।

निम्न बिक्रीत सम्पत्ति के सम्बंध में अगर भविष्य में मुझ विकेता मय वारिसान को कुछ लिखना या करना पडेगा तो ऐसी स्थिति में आप केता मय वारिसान के अनुरोध व खर्च से वैसा लिखने व करने को तैयार रहूँगा।

अतएव आज तारीख मैं विकेता स्वेच्छा से मन व शरीर की स्वस्थता में रहकर बिना किसी के दवाब या बहकावे के कीमत का कुल रूपये लेकर यह विकय पत्र लिख दिया जो प्रमाण रहे।

*दिनांक* :– 9-04-08

ATTESTED
NOTARY REGD. NO.-2256
GOVT. OF JHARKHAND

Umesh Chandra
11-4-08

*तफसील सम्पत्ति*

थाना नं० – 581, जिला, सबडिविजन व सबरजिस्ट्री – देवघर, **थाना** – मोहनपुर, तालुक – बलसरा, सामिल मौजा – रामपुर, के अन्दर **बसौड़ी सत्व की जमीन**, प्लॉट नं० – 348 का अंश, रकवा 3091 (तीन हजार एकानबे) **वर्गफीट**, **जमाबंदी नं०** – 9/2, बमौजिव सामिल सुदा नक्शा में लाल रंग से रंगा हुआ, **सव प्लॉट नं०** – 10 का अंश व 11, मय कुल हक हकुक बिकी किया, जिसकी चौहद्दी–––

| | |
|---|---|
| ***उत्तर*** :– | विक्रेता की जमीन सव प्लॉट नं० – 10 का अंश<br>इधर की माप 60′–6″ |
| ***दक्षिण***:– | सव प्लॉट नं० – 12<br>इधर की माप 67′–6″ |
| ***पुरब*** :– | सर्वे रोड़<br>इधर की माप 45′–0″ |
| ***पश्चिम*** :– | 15′–0″ चौडा प्रस्तावित रास्ता<br>इधर की माप 51′–6″ |

ATTESTED 8/7/82
NOTARY REGD. NO.-225
GOVT. OF JHARKHAND

Umesh Chandra
11-4-08

**घोषणा** :- उक्त विक्रीत सम्पत्ति देहाती क्षेत्र में पडता हैं। निर्धारित मूल्यांकन के अनुसार स्टाम्प दिया गया हैं।

अंचलाधिकारी ~~देवघर~~ मोहनपुर के ज्ञापांक सं0 – 157 दिनांक – 05-09-06 ई0 के द्वारा भू सत्यापित हैं।

*गवाहन* :-

(1) [illegible]
कॉलेज मोड़ देवघर।
7/4/08

(2) आलोक कुमार [illegible]
रामपुर देवघर
7/4/08

[illegible]
7-4-08

ATTESTED
[illegible] REGD. NO.-[illegible]
GOVT. OF JHARKHAND

## SPECIMEN FORM FOR FIVE LEFT HAND FINGER PRINTS

सुषमा झा
9/4/2008

| LITTLE FINGER | RING FINGER | MIDDLE FINGER | FORE FINGER | THUMB |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |

| PHOTO | LITTLE FINGER | RING FINGER | MIDDLE FINGER | FORE FINGER | THUMB |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | |

प्रमाणित किया जाता हैं कि प्रत्येक व्यक्ति जिनका इस दस्तावेज में फोटो चिपकाया गया हैं, के बाये हाथ के अँगुलियो का निशान मेंरे समक्ष लिया गया हैं। मुल प्रति व द्वितीयक हु–बहु हैं।

AN OF LAND UNDER MOUZA - RAMPUR, NO. - 581, P. S. -
OHANPUR, DIST - DEOGHAR, J. B. NO - 9/2, PART OF PLOT
NO - 348, SUB PLOT NO - 10 PART & 11, AREA - 3091 Sqft.,
SHOWN IN RED COLOUR BELONG'S TO SRI UMESH
CHANDRA JHA S/O SRI RAMCHANDRA JHA, AND NOW
SOLD TO Smt. SUSHMA JHA W/O SRI UTTAM DEO JHA, OF
KHARHAGA, P. S. - BARAHAT, DIST - BANKA.